Rashtriya Sahara
6-6-2023

कपड़े के बैग का करें इस्तेमालः डा.रेनू

■ वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रतियोगिताओं का आयोजन

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) निदेशक डा.रेनू सिंह ने कहा कि प्लास्टिक कचरे से निपटना दुनिया के लिए चुनौती है और इससे तभी पार पाया जा सकता है जब हम शापिंग के लिए प्लास्टिक बैग की जगह कपड़े के बैग, जहां भी संभव हो अपनी खुद की पानी की बोतल, भंडारण बक्से के रूप में कांच के कंटेनरों, पैकेजिंग वस्तुओं का पुनः उपयोग करने के साथ ही शहरों और जल निकायों के सफाई अभियान में भागीदारी करेंगे।

डा.रेनू सिंह वन अनुसंधान संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि हम सभी को गैर-प्लास्टिक पर्यावरण के अनुकूल कटलरी का उपयोग करने की सीमा को प्राथमिकता दें। पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण में योगदान देना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। वायु प्रदूषण मानव के सामने एक बड़ी चुनौती है।

वन अनुसंधान संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान विषय पर कविता पाठ और भाषण तथा एफआरआई परिसर की जैव विविधता विषय पर फोटोग्राफी और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपरोक्त गतिविधियों के विजेताओं को पुरस्कार वितरण का आयोजन किया। समारोह का आयोजन वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के दीक्षांत गृह में किया गया। कार्यक्रम में वन अनुसंधान संस्थान एवं वन अनुसंधान संस्थान एवं डीम्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों, आधिकारियों, संकाय और छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समारोह के सम्मानित अतिथि मोहिनी रावत पत्नी डीजी आईसीएफआरई और जयश्री आरडे, आईएफएस एंड पीसीसीएफ (सेवानिवृत्त), अरुणाचल प्रदेश द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करती मोहिनी रावत, डा. रेनू सिंह व अन्य।

Uttarbharat Live
6-6-2023

वन अनुसंस्थान ने पर्यावरण दिवस मनाया

कार्यक्रम में शामिल लोग।

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो

uttarbharatlive.com

देहरादून। विश्व पर्यावरण दिवस की रक्षा के लिए सभी को अपना हिस्सा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। वर्ष 2023 विश्व पर्यावरण दिवस के 50वें संस्करण को चिन्हित करेगा, जिसे प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान विषय के तहत मनाया जाएगा। इस वर्ष की थीम लोगों को प्लास्टिक के उपयोग को छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने और इसे पर्यावरणीय गिरावट के स्रोत के रूप में पहचानने पर केंद्रित है। इसी को ध्यान में रखते हुए वन अनुसंधान संस्थानमें विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान- विषय पर कविता पाठ और भाषण तथा

» प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया सम्मानित

एफआरआई परिसर की जैव विविधता-नवजय विषय पर फोटोग्राफी और गतिविधियों के विजेताओं को पुरस्कार वितरण का आयोजन किया। समारोह का आयोजन किया गया। महालिंग, आईएफएस और हेड एक्सटेंशन डिवीजनए समारोह के सम्मानित अतिथि मोहिनी रावत, प्रकृति प्रेमी एवं भाऊक पक्षी दृष्टा, जयश्री आरडे, आईएफएस एंड पीसीसीएफ सेवानिवृत्त, अरुणाचल प्रदेश एफआरआई ओर डा रेनू सिंह आईएफएस निदेशकऔर अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया गया।

Shah Times
6-6-2023

वायु प्रदूषण मानव के सामने एक बड़ी चुनौती : डॉ. रेनू सिंह

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है ताकि पर्यावरण की रक्षा के लिए सभी को प्रोत्साहित किया जा सके। वर्ष 2023 विश्व पर्यावरण दिवस के 50वें संस्करण को चिन्हित करेगा, जिसे ष्प्लास्टिक प्रदूषण के समाधानष् विषय के तहत मनाया जाएगा। इस वर्ष की थीम लोगों को प्लास्टिक के उपयोग को छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने और इसे पर्यावरणीय गिरावट के स्रोत के रूप में पहचानने पर केंद्रित है।

इसी को ध्यान में रखते हुए वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने 5 जून, को इस विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस-2023 मनाया तथा ष्प्लास्टिक प्रदूषण के समाधानष् विषय पर कविता पाठ , भाषण , ष्एफआरआई परिसर की जैव विविधताष् विषय पर फोटोग्राफी और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपरोक्त गतिविधियों के विजेताओं को पुरस्कार वितरण का आयोजन किया। समारोह का आयोजन वन अनुसंधान संस्थान, देहारादून के दीक्षांत गृह में किया गया। आईएफएस और हेड एक्सटेंशन

■ **प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान विषय पर कविता पाठ व भाषण सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया**

डिवीजन, समारोह के सम्मानित अतिथि मोहिनी रावत, प्रकृति प्रेमी एवं भाऊक पक्षी दृष्टा, जयश्री आरडे, आईएफएस एंड पीसीसीएफ (सेवानिवृत्त), अरुणाचल प्रदेश एफआरआई ओर डॉ. रेनू सिंह, आईएफएस, निदेशक, एफआरआई और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। वन अनुसंधान संस्थान निदेशक डॉ. रेनू सिंह ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण में योगदान देना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। वह हमारे ग्रह का जश्न मनाने, उसकी रक्षा करने और उसे बहाल करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक, परिवर्तनकारी कार्रवाई का आह्वान करती है। इस कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समारोह के अतिथि मोहिनी रावत पत्नी डीजी आईसीएफआरई और जयश्री आरडे, आईएफएस एंड पीसीसीएफ (सेवा. निवृत्त), अरुणाचल प्रदेश ने सम्मानित किया। विजया रात्रे, आईएफएस, एएस (जी), एसएफएम डिवीजन ने कार्यक्रम का संचालन किया और अंत में डॉ. देवेंद्र कुमार, वैज्ञानिक ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। डॉ चरण सिंह, वैज्ञानिक, और रामबीर सिंह, वैज्ञानिक विस्तार प्रभाग, एफआरआई ने घटनाओं के परिणाम तैयार किए।

The Hawk
6-6-2023

World Environment Day-2023: Call To Protect & Restore The Plant At FRI

Dehradun (The Hawk): World Environment Day is celebrated on June 5 every year to encourage everyone to do their part to protect the environment. The year 2023 will mark the 50th edition of World Environment Day, which will be celebrated under the theme "Solutions to Plastic Pollution". This year's theme focuses on encouraging people to give up on the usage of plastic and identify it as the source of environmental degradation.

Keeping in view, Forest Research Institute, Dehradun celebrated World Environment Day-2023 on 5th June, 2023 and organized Kavita Paath, Declamation speech on "Solutions to Plastic Pollution" and Photography on "Biodiversity of FRI Campus" theme and Prize distribution to the winners of above activities were also held on the occasion of World Environment Day. The ceremony was organized in Convocation Hall of FRI, Dehradun. Shri Mahaling, IFS and Head Extension Division, FRI welcome the special guest Smt. Mohini Rawat, nature lover and passionate bird watcher, Smt. Jayshree Ardey, IFS & PCCF (Retd.) and Dr. Renu Singh, IFS, Director, FRI Chief Guest of the function and other dignitaries. Head Extension Division, FRI Dehradun had given a brief account of programme & activities carried out on the occasion of World Environment Day. The scientists, officers faculties and students of FRI Deemed to be University participated in the programme. The winners of the above events were given away different prizes by special guest Smt. Mohini Rawat, Smt. Jayshree Ardey, IFS & PCCF (Retd.), Arunachal Pradesh and Director, FRI.

In her address, Dr. Renu Singh, Director FRI said that it is a moral duty of each and every citizen to contribute to the protection and conservation of Environment. She calls for collective, transformative action on a global scale to celebrate, protect and restore our planet. She said that air pollution is a major challenge faced by human being. She also said that Climate Change is a big alarm as a natural disaster and increasing temperature causing global warming. She told that the Institute is working on rejuvenation of major rivers of the country. Further she expressed the concern about the magnitude of plastic pollution and its recycling and its further problem and its impact on all life forms in all possible ecosystems. Mission LiFE can be affective platform to create an effective awareness among the people through its various activities such as Single use plastic. Use cloth bag for shopping instead of plastic bags. Carry your own water bottle wherever possible. Reuse glass containers/packaging items as storage boxes, Participate in and mobilize participation for clean up drives of cities and water bodies, Prefer using non-plastic eco-friendly cutlery during gathering extent. You all might aware of that with all your efforts FRI couldable to reach its institutional target of Mission Life well before the time that gave immense hope in the cooperative efforts and I congratulate you all for the same. Smt. Richa Misra, IFS, Head Silviculture and Forest Management Division also address on Mission LiFE activities by the officials and officers in the campus. Smt. Vijaya Ratre, IFS, As (G), SFM Division anchoring the programme and at the end Dr. Devendra Kumar, Scientist, delivered vote of thanks. Dr. Charan Singh, Scientist, Extension Division, FRI and Shri Rambir Singh, Scientist prepared the results of events & Sh. Vijay Kumar, ACF, Shri Preetpal Singh, FRO and other officials team of Extension Division, FRI contributed a immensely for the successful completion the programme.

Veer Arjun
6-6-2023

3 वीर अर्जुन, देहरादून, 6 जून , 2023

एफआरआई में पर्यावरण दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता पुरस्कृत किए गए

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है ताकि पर्यावरण की रक्षा के लिए सभी को अपना हिस्सा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। वर्ष 2023 विश्व पर्यावरण दिवस के 50वें संस्करण को चिन्हित करेगा, जिसे प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान विषय के तहत मनाया जाएगा। इस वर्ष की थीम लोगों को प्लास्टिक के उपयोग को छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने और इसे पर्यावरणीय गिरावट के स्रोत के रूप में पहचानने पर केंद्रित है। इसी को ध्यान में रखते हुए वन अनुसंधान संस्थान ने इस विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया तथा प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान विषय पर कविता पाठ और भाषण तथा एफआरआई परिसर की जैव विविधता विषय पर फोटोग्राफी और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपरोक्त गतिविधियों के विजेताओं को पुरस्कार वितरण का आयोजन किया।

समारोह का आयोजन वन अनुसंधान संस्थान के दीक्षांत गृह में किया गया। श्री महालिंग, आईएफएस और हेड एक्सटेंशन डिवीजन, समारोह के सम्मानित अतिथि मोहिनी रावत, प्रकृति प्रेमी एवं भाऊक पक्षी दृष्टा, जयश्री आरडे, आईएफएस एंड पीसीसीएफ (सेवानिवृत्त), अरुणाचल प्रदेश एफआरआई ओर डॉ. रेनू सिंह, आईएफएस, निदेशक, एफआरआई और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। प्रमुख विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर किए गए कार्यक्रम और गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दिया था। वन अनुसंधान संस्थान एवं वन अनुसंधान संस्थान एवं डीम्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिको, आधिकारियों, संकाय और छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। उपरोक्त कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समारोह के सम्मानित अतिथि मोहिनी रावत पत्नी डीजी आईसीएफआरई और जयश्री आरडे, आईएफएस एंड पीसीसीएफ (सेवानिवृत्त), अरुणाचल प्रदेश द्वारा सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में वन अनुसंधान संस्थान निदेशक डॉ. रेनू सिंह ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण में योगदान देना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। वह हमारे ग्रह का जश्न मनाने, उसकी रक्षा करने और उसे बहाल करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक, परिवर्तनकारी कार्रवाई का आह्वान करती है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण मानव के सामने एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन एक प्राकृतिक आपदा और बढ़ते तापमान के कारण ग्लोबल वार्मिंग के रूप में एक बड़ा अलार्म है। उन्होंने बताया कि संस्थान देश की प्रमुख नदियों के कायाकल्प पर भी काम कर रहा है।

The Himachal Times
6-6-2023

FRI celebrates World Environment Day

Dehradun, June 5 (HTNS): World Environment Day is celebrated on June 5 every year to encourage everyone to do their part to protect the environment.

This year 2023 will mark the 50th edition of World Environment Day, which was celebrated under the theme "Solutions to Plastic Pollution"

This year's theme focuses on encouraging people to give up on the usage of plastic and identify it as the source of environmental degradation.

Keeping in view, Forest Research Institute, Dehradun celebrated World Environment Day-2023 on 5 June and organized Kavita Paath, Declamation Speech on "Solutions to Plastic Pollution" and Photography on "Biodiversity of FRI Campus" theme and Prize distribution to the winners of above activities were also held on the occasion of World Environment Day.

The ceremony was organized in Convocation Hall of FRI, Dehradun.

Mahaling, IFS and Head Extension Division, FRI welcomed the special guest Mohini Rawat, nature lover and passionate bird watcher, Jayshree Ardey, IFS & PCCF (Retd.) and Dr Renu Singh, IFS, Director, FRI Chief Guest of the function and other dignitaries.

Head Extension Division, FRI Dehradun had given a brief account of programme & activities carried out on the occasion of World Environment Day.

The scientists, officers faculties and students of FRI Deemed to be University participated in the programme. The winners of the above events were given away different prizes by special guest Mohini Rawat, Jayshree Ardey, IFS & PCCF (Retd.), Arunachal Pradesh and Director, FRI. In her address, Dr. Renu Singh, Director FRI said that it is a moral duty of each and every citizen to contribute to the protection and conservation of Environment.

She calls for collective, transformative action on a global scale to celebrate, protect and restore our planet. She said that air pollution is a major challenge faced by human being.

She also said that Climate Change is a big alarm as a natural disaster and increasing temperature causing global warming.

She told that the Institute is working on rejuvenation of major rivers of the country. Further she expressed the concern about the magnitude of plastic pollution and its recycling and its further problems and its impact on all life forms in all possible ecosystems. Mission Life can be affective platform to create an effective awareness among the people through its various activities such as Single use plastic.

Use cloth bag for shopping instead of plastic bags. Carry your own water bottle wherever possible.

Reuse glass containers/packaging items as storage boxes, Participate in and mobilize participation for clean up drives of cities and water bodies, Prefer using non-plastic eco-friendly cutlery during gathering extent.

You all might aware of that with all your efforts FRI could able to reach its institutional target of Mission Life well before the time that gave immense hope in the cooperative efforts and I congratulate you all for the same.

Richa Misra, IFS, Head Silviculture and Forest Management Division also address on Mission LiFE activities by the officials and officers in the campus.

Dr. Charan Singh, Scientist, Extension Division, FRI and Rambir Singh, Scientist prepared the results of events and Vijay Kumar, ACF, Preetpal Singh, FRO and other officials team of Extension Division, FRI contributed a immensely for the successful completion the programme.

Janbharat Mail
6-6-2023

वन अनुसंधान संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस-2023 मनाया

देहरादून, संवाददाता। विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है ताकि पर्यावरण की रक्षा के लिए सभी को अपना हिस्सा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। वर्ष 2023 विश्व पर्यावरण दिवस के 50वें संस्करण को चिन्हित करेगा, जिसे प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान विषय के तहत मनाया जाएगा। इस वर्ष की थीम लोगों को प्लास्टिक के उपयोग को छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने और इसे पर्यावरणीय गिरावट के स्रोत के रूप में पहचानने पर केंद्रित है।

इसी को ध्यान में रखते हुए वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने दिनांक 5 जून, 2023 को उपरोक्त विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस-2023 मनाया तथा प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान विषय पर कविता पाठ और भाषण तथा एफआरआई परिसर की जैव विविधता विषय पर फोटोग्राफी और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उपरोक्त गतिविधियों के विजेताओं को पुरस्कार वितरण का आयोजन किया। समारोह का आयोजन वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के दीक्षांत गृह में किया गया। श्री महालिंग, आईएफएस और हेड एक्सटेंशन डिवीजन, समारोह के सम्मानित अतिथि श्रीमती मोहिनी रावत, प्रकृति प्रेमी एवं भाऊक पक्षी दृष्टा, श्रीमती जयश्री आरडे, आईएफएस एंड पीसीसीएफ (सेवानिवृत्त), अरुणाचल प्रदेश एफआरआई ओर डॉ. रेनू सिंह, आईएफएस, निदेशक, एफआरआई और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

प्रमुख विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर किए गए कार्यक्रम और गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दिया था। वन अनुसंधान संस्थान एवं वन अनुसंधान संस्थान एवं डीम्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिको, आधिकारियों, संकाय और छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। उपरोक्त कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समारोह के सम्मानित अतिथि मोहिनी रावत पत्नी डीजी आईसीएफआरई और श्रीमती जयश्री आरडे, आईएफएस एंड पीसीसीएफ (सेवानिवृत्त), अरुणाचल प्रदेश द्वारा सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में वन अनुसंधान संस्थान निदेशक डॉ. रेनू सिंह ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण में योगदान देना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। वह हमारे ग्रह का जश्न मनाने, उसकी रक्षा करने और उसे बहाल करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक, परिवर्तनकारी कार्रवाई का आह्वान करती है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण मानव के सामने एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन एक प्राकृतिक आपदा और बढ़ते तापमान के कारण ग्लोबल वार्मिंग के रूप में एक बड़ा अलार्म है। उन्होंने बताया कि संस्थान देश की प्रमुख नदियों के कायाकल्प पर भी काम कर रहा है।

श्रीमती विजया रात्रे, आईएफएस (जी), एसएफएम डिवीजन ने कार्यक्रम का संचालन किया और अंत में डॉ. देवेंद्र कुमार, वैज्ञानिक ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। डॉ चरण सिंह, वैज्ञानिक, और श्री रामबीर सिंह, वैज्ञानिक विस्तार प्रभाग, एफआरआई ने घटनाओं के परिणाम तैयार किए और श्री विजय कुमार, एसीएफ, श्री प्रीतपाल सिंह, आरएफओ और एक्सटेंशन डिवीजन, एफआरआई के अन्य अधिकारियों की टीम ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने में बहुत योगदान दिया।